वी. यू. में प्रेरक उद्‌बोधनों की श्रंखला की शुरूआत

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के नई दिल्ली के सौजन्य से छात्रों हेतु प्रेरक उद्‌बोधनों की श्रंखला की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने बताया कि आज प्रत्येक क्षेत्र में प्रतियोगिता बढ़ गई है। अब श्रेष्ठ से सर्वश्रेष्ठ बनने की आवश्यकता है।

आज के प्रमुख वक्ता पुणे से पधारे कर्नल वीरेन्द्र कुमार थे उन्होंने कहा कि जीवन में यदि आगे बढ़ना है तो अनेक कठिनाईयों को पार करना होगा। नो गेन विदाउट पेन कहावत को यदि चरितार्थ करना है तो आपको बिना किसी डर के ऊँचाई तक पहुँचना होगा। मनुष्य अपनी जिन्दगी का रास्ता खुद तय करता है जिन्दगी दूसरों के हाथ में नहीं देना चाहिये।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.पी.एस. बघेल ने स्वागत भाषण दिया एवं कहा कि अब पशुचिकित्सा क्षेत्र में अनेक संभावनाऐं है। यदि हमें प्रधानमंत्री के आव्हान वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दुगुना करना है। तो कृषि के साथ पशुपालन की ओर भी अधिक ध्यान देना होगा। अतः पशुचिकित्सकों का दायित्व बढ़ गया है। इस अवसर पर डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव एवं डॉ. पीताम्बर इनबाती की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रय का संचालन डॉ. अमिता तिवारी एवं आभार प्रदर्शन आभा बरारे ने किया।

डॉ. ओ.पी.श्रीवास्तव
सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर